वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 51 | सोमवार 19 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बच्चों की दुनिया से निकली रंगबिरंगी कहानियों ने जीता दिल

जूनियर्स ने मंच पर दिखाया अभिनय कौशल, कैंप में तैयार 12 लघु नाटकों का मंचन

जयपुर. कासं। जवाहर कला केन्द्र में 15 मई से जारी जूनियर समर कैंप समापन की ओर है। कैंप में 700 से अधिक बच्चों ने 14 विधाओं में प्रशिक्षण लिया। 5 से 18 साल के 300 से अधिक बच्चों ने थिएटर में रुझान दिखाया। इस कार्यशाला में बच्चों ने न केवल अभिनय की बारीकियां सीखी बल्कि उनकी पर्सनैलिटी में डवलपमेन्ट भी हुआ। रंगायन सभागार के मंच पर प्रतिभागी बच्चों की ओर से तैयार 12 नाटकों का मंचन हुआ। ये नाटक बच्चों और उनके प्रशिक्षकों की महीने भर की मेहनत की कहानी बयां कर गए। रंगकर्म के मार्ग पर प्रशस्त इन बच्चों ने अपनी दुनिया से निकली कहानियों से विभिन्न मुद्दे उठाये। इनमें से 10 नाटकों का मंचन 19 और 20 जून को भी होगा। छोटे हाबू ग्रुप के बच्चे 'हाबू का खजाना' लेकर मंच पर पहुंचे। बुजुर्ग दंपति बच्चों को खजाने की कहानी सुनाता है। खजाना ढूंढने निकले बच्चों को किताबें मिलती हैं। बच्चों के लिए ये किताबें ज्ञान के साथ-साथ मनोरंजन का भी खजाना बनकर उभरती हैं। समुन्द्र सिंह मकराना, चन्द्रिका जाजू और रिया बंसल इस ग्रुप के इंस्ट्रक्टर रहे। इसके बाद धूम धड़ाका ग्रुप 'बचपन' नाटक में मासूमियत भरे रंगों से दुनिया रंगता हैं। इसमें बड़ों की इच्छाओं के बोझ तले दबे बच्चों को सपनों में जद्दोजहद करते दिखाया गया है। ये बच्चे सूरज से टुकड़ा तोड़कर अपनी दुनिया बनाते हैं और उसमें खो जाते हैं। आसिफ शेर अली खान, उज्जवल प्रकाश मिश्रा ने इन्हें प्रशिक्षण दिया। ग्रुप मधुमखियां नाटक 'बज्ज' के जरिये जिओ और जीने दो का सन्देश दे जाता हैं। पूजा हाड़ा, निष्ठा लता, वर्तिका बालानी इनकी इंस्ट्रक्टर रहीं। करंट ग्रुप के बच्चों ने 'नीबू मिर्ची' नाटक में अंधविश्वास के खिलाफ अलख जगाई।

कैंसर पीड़ित बच्चे ने लिखा सीएम को लैटर

सीएम गहलोत विश पूरी करने के लिए चॉकलेट लेकर पहुंचे जेकेलोन हॉस्पिटल

जयपुर. कासं। कैंसर पीड़ित 5 साल के दिव्यांशु ने सीएम अशोक गहलोत को लैटर लिखकर अपने जन्मदिन पर उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की थी। दिव्यांशु की विश पूरी करने के लिए सीएम अशोक गहलोत जेकेलोन अस्पताल पहुंचे। सीएम दिव्यांशु के लिए चॉकलेट भी लेकर गए। लेकिन दिव्यांशु की सर्जरी के चलते वह बेहोश था। ऐसे में सीएम गहलोत ने परिजनों व डॉक्टर्स से दिव्यांशु के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि दिव्यांशु का सम्पूर्ण इलाज सरकार जिम्मेदारी से कराएगी। दिव्यांशु से मुलाकात के बाद सीएम गहलोत ने ट्वीट करके लिखा 'भावुक क्षण', सीकर के दौरे पर मुझे दिव्यांशु का एक भावुक पत्र मिला। इस पत्र में कैंसर पीड़ित बालक दिव्यांशु ने अपनी भावनाएं लिखीं और मेरे साथ जन्मदिन मनाने की इच्छा जाहिर की। बेटे दिव्यांशु की जन्मदिन हमारे साथ मनाने की सद्भावना व निश्छल स्नेह के अनुपम उपहार के आगे किसी अन्य उपहार की तुलना नहीं की जा सकती। आज जेकेलोन हॉस्पिटल जाकर दिव्यांशु से उनके जन्मदिन पर मुलाकात की। दिव्यांशु का सम्पूर्ण इलाज सरकार जिम्मेदारी से कराएगी। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। आप सब भी दिव्यांशु के लिए दुआ कीजिए। दरअसल 9 जून को दव्यांशु के पिता राजेन्द्र कुड़ी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपने 5 वर्षीय कैंसर पीड़ित पुत्र दिव्यांशु की ओर से पत्र दिया।

द्वितीय पुण्यतिथि पर विशेषः श्री राजेन्द्र गोधा जी को सादर नमन

किस मोड से जाते हैं? अनजान मंजिल की ओर...

रूक्मणी. शाबाश इंडिया

जिंदगी का सफर कठिन, सरल, खूबसूरत पगडंडीयों, उबड़-खाबड़ रास्ते, साधारण से विकट मोड़ों को पार कर मंजिल को प्राप्त किया जा सकता है लेकिन विधाता के बनाए इन रास्तों, पगडंडीयों, मोडों के बनाए नक्शों पर कई बार अचानक ऐसे मोड, रास्ते आते हैं वहां अचानक व्यक्ति अदृश्य हो जाता है और कभी नहीं दिखने की आंखों से ओझल हो जाता है। समाचार जगत के मालिक गोधाजी जब अपनी मंजिल पर पहुंचने के लिए रास्ते तलाश रहे थे, चल रहे थे कि अचानक विधाता ने उन्हें एक मोड पर अचानक हमारी आंखों से ओझल कर विधाता ने अपनी गोद में ले लिया।

गोधाजी मेहनती, धुन के धनी, दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे। बचपन से उनकी इच्छा पत्रकार व अखबार निकालने की थी। वह समाचार जगत अखबार के मालिक भी बने और पत्रकार बनने की इच्छा भी पूरी की।

यद्यपि इस मुकाम तक पहुंचने पर उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। परिस्थितिवश उन्हें नौकरी व अन्य व्यवसाय भी करने पड़े, पर ये व्यवधान उन्हें उनके उद्देश्यों से डिगा नहीं पाया और गोधाजी को सफलता मिली। दैनिक अखबार एक बार दैनिक रूप से छप जाए वहीं कड़ी मेहनत का द्योतक होता है पर "गोधाजी'' (लोग उन्हें इसी नाम से संबोधित करते थे) ने सायंकालीन समाचार जगत को भी प्रकाशित करा और वो भी केवल जयपुर नहीं बल्कि राजस्थान के कई जिलों में भी इसका वितरण किया। अन्य दैनिक अखबारों का मुकाबला किया। 12 पृष्ठों का प्रातःकालीन सायंकालीन अखबार का प्रकाशन उनकी दृढ़ निश्चयी मेहनत का परिचायक था। ऐसे व्यक्तियों को ही कर्मयोद्धा भी कहते हैं। गोधाजी आजीवन समाचार जगत की उन्नति के लिए प्रयासरत रहे। ईश्वर जन्म के साथ व्यक्ति का कर्म भी तय करता है।

बायें से डॉ. अशोक पानगडिया, श्रीमती पानगडिया, आई.ए.एस. लोकनाथ सोनी, लीलाधर चतुर्वेदी, मोनू एवं रूक्मणी पारिवारिक कार्यक्रम में।

गोधाजी, आशा चतुर्वेदी, डॉ. शंकुतला सक्सैना, महेश शर्मा की पुस्तक "ऐ पिता तू महान है" के विमोचन समारोह में मुख्यमंत्री के साथ।

डॉ. भारद्वाज, महेश शर्मा, कैलाश मेघवाल, गोधाजी विचार विमर्श करते हुए।

गोधाजी ने मूलचंद जी कमला जी के घर जन्म लिया। अल्पावस्था में पिता का साया उठ जाने के बाद उनकी मां ने पिता-माता दोनों के रूप में पाला। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान से सुसंस्कारित होने के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान भी अर्जित किया। उन्होंने जैन धर्म की बढ़ोतरी के लिए कार्य किए। जैन साधु-साध्वीयों का सम्मान उनकी प्राथमिकता थी, पर अन्य समुदायी समाजों के उत्थान के लिए भी प्रयत्नशील रहे।

गोधाजी प्रतिदिन टोडरमल स्मारक मंदिर में धार्मिक गणवेश (लाल) पहन पूजा करने जाते थे। इसके बाद मां के चरण स्पर्श के बाद दैनिक कार्यों की शुरूआत करते थे। ये उनकी धार्मिक आस्था का परिचायक था।

गोधा जी की पत्नी त्रिशला भी सच्चे रूप से गोधाजी की सहधर्मिजी थी। अपने बच्चों को सुसंस्कार दिए। इसी कारण गोधाजी के अवसान के बाद शैलेन्द्र, निशांत दोनों भाइयों ने अखबार की विरासत को संभाला और आगे बढ़ाएंगे ऐसा आशीर्वाद है। उनकी पुत्री डॉली फैशन डिजाइनिग में स्वतंत्र व्यवसाय कर रही है। ऐसे समय में जब पगडंडीयों मोडों के घुमाव पर मंजिल तक पहुंचने के लिए प्रयत्नशील थे तब अचानक गोधाजी बीमारियों के चपेट में आ गए। अन्य बीमारियों को सहन कर रहे थे पर अब कैंसर ने आक्रमण किया पर इसे भी गोधाजी ने चुनौती मान सामना किया। इस दौरान भी गोधाजी की मिलन सरिता, सहृदयता के कारण डॉक्टर्स, राजनीतिक मित्र, पारिवारिक मित्रों ने साथ दिया।

बीमारी से संघर्ष करते हुए गोधाजी एक अंधे मोड पर अचानक अदृश्य हो गए। नेपथ्य में उनके निधन का समाचार ही गूंजा। इसीलिए उनके निधन के पश्चात मुख्यमंत्री, प्रशासनिक अधिकारी, मैत्रीय समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने उनके बारे में जो कहा- वो उनके परिवार के लिए गौरव पथ है। गोधाजी ने अपने अखबार को पारिवारिक संज्ञा दी, न कभी छंटनी की न कभी किसी को निकाला, जो उनके साथ प्रथम दिन से जुड़ा वो आजीवन साथ रहा। किसी ने गोधाजी के लिए कहा था- "मालिक-मालिक के पास चले गए।'' चलिए इस पुण्यतिथि पर उनकी स्मृतियों की मधुर यादों के साथ नमन करते हुए उनकी यादों को सजीव रखेंगे। करोगे बात तो हर बात याद आएगी।

सादर नमन ।

दुर्गापुरा में 28 मई से 18 जून तक लगा धार्मिक शिक्षण शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुरा में 28 मई से 18 जून तक प्रतिदिन श्री विद्यासागर पाठशाला के अंतर्गत प्रतिदिन शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। महिला मंडल की मंत्री रानी सोगानी ने बताया कि श्रीमति पुष्पा सोगानी के निर्देशन पंडित अजीत शास्त्री, दीपक शास्त्री, विमला पांड्या, रिंकू सेठी द्वारा अध्यापन कराया गया। मंडल अध्यक्ष रेखा जैन के अनुसार शिविर के सयोजक मोना चांदवाड, राजेंद्र काला थे तथा समारोह में दीप प्रज्वलन श्रीमती शशि जैन ने किया। संचालन रानी सोगानी ने किया।

सूर्य नगर दिगम्बर जैन मंदिर के 26 वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय वार्षिकोत्सव

संगीतमय शांतिविधान पूजा में गूंजे शान्तिनाथ के जयकारे। श्री जी के हुए कलशाभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

तारों की कूंट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के 26 वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के तहत रविवार को शांति विधान पूजा का संगीतमय आयोजन किया गया। श्री जी के कलशाभिषेक के दौरान शांतिनाथ के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। रविवार को प्रातः मंत्रोच्चार से श्री जी के अभिषेक के बाद विश्व में सुख समृद्धि और शांति एवं खुशहाली की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। अध्यक्ष इंजीनियर नवीन जैन एवं मंत्री धनेश सेठी ने बताया कि पुण्यार्जक परिवार गौतम पाटोदी, प्रकाश चन्द टोंग्या, सुशील झांझरी, ओमप्रकाश छाबड़ा,भाग चन्द संघी एवं कैलाश काला द्वारा चांदी के नवीन छत्र एवं मन्ना लाल खटवाड़ा वाले,पारस कासलीवाल, नवीन छाबड़ा की ओर से श्री जी के भामण्डल स्थापित किए गए। समिति सदस्य विनोद

जैन कोटखावदा के मुताबिक प्रातः 11.15 बजे शांति देवी राजेश पापडीवाल परिवार द्वारा जयकारों के साथ ध्वजारोहण किया गया। मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय समारोह में अंतिम दिन भगवान शान्तिनाथ की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मंगल कलश स्थापित कर दोपहर 12.15 बजे से पण्डित प्रकाश जैन के निर्देशन में संगीतमय शांतिविधान पूजा का शुभारंभ किया गया। प्रसिद्ध गायक सुशील झांझरी एवं शिखर चन्द जैन द्वारा

संगीत के साथ भक्ति मय प्रस्तुति दी गई। पूजन के दौरान इन्द्र -इन्द्राणियों द्वारा भक्ति नृत्य किए गए। सौधर्म इन्द्र धनेश - रविता सेठी के नेतृत्व में मण्डल पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वलय में मंत्रोच्चार से अष्ट द्रव्य के अर्घ्य चढाये गये। अन्त में शांतिनाथ भगवान की आरती एवं समुच्चय महाअर्घ के साथ पूजा का समापन हुआ। सायंकाल 4.30 बजे मंत्रोच्चार से श्रीजी के कलशाभिषेक किए गए।

वेद ज्ञान

गुरु की सत्ता ही शाश्वत है

गुरु को अपनी दुनिया का एक हिस्सा मत बनाओ। गुरु की सत्ता को महसूस करो। आध्यात्मिक पथ पर तीन कारक होते हैं। बुद्ध-सतगुरु या ब्रह्मज्ञानी, संघ-संप्रदाय या समुदाय और, धर्म-आपकी प्रकृति, आपका सच्चा स्वभाव। तुम बुद्ध के जितना निकट जाओगे तुम्हें उतना ही अधिक आकर्षण मिलेगा, तुम ब्रह्मज्ञानी से कभी ऊबते नहीं। तुम जितना समीप जाओगे, तुम्हें उतनी ही अधिक नवीनता और प्रेम का अनुभव मिलता है। एक अथाह गहराई की तरह है। गुरु एक द्वार है और द्वार का दुनिया से अधिक आकर्षक होने की आवश्यकता है ताकि लोग द्वार तक आएं। बाहर बारिश और बिजली कड़क रही है या चिलचिलाती धूप है और कोई सड़क पर है... उन्हें आश्रय की जरूरत है। वे अपने चारों ओर ढूंढते हैं, उन्हें एक द्वार दिखता है। द्वार अपनी ओर आमंत्रित कर रहा है, वह दुनिया की किसी भी चीज से अधिक आकर्षक, व आनंद और हर्षोल्लास से परिपूर्ण दिखता है। इतनी शांति, इतना आनंद और सुख दुनिया में कुछ भी और नहीं दे सकता। द्वार तक आने पर, आप दरवाजे के अंदर प्रवेश कर जाते हो और गुरु की आंखों से दुनिया को देखते हो। यह एक संकेत है कि आप गुरु के पास पहुंच गए हो। अन्यथा, आप सड़क पर खड़े हुए अभी तक द्वार को देखते रह सकते हो। एक बार आपने द्वार से अंदर प्रवेश कर लिया, तो आप गुरु की आंखों से सारी दुनिया देखोगे। इसका क्या अर्थ है? हर स्थिति का सामना करते हुए तुम सोचोगे कि 'यह स्थिति यदि गुरुजी के सामने आती तो वह उसको कैसे संभालते? यह जटिल परिस्थिति यदि गुरुजी के सामने आती तो वह उसे किस प्रकार से लेते? अगर कोई गुरुजी को यह दोष लगाता, तो वह उसको कैसे संभालते?' हर समय गुरु की आंखों से दुनिया को देखो। तो दुनिया और अधिक सुंदर लगती है, वह प्रेम, आनंद, परस्पर सहयोग, दया और सभी सद्गुणों से भरी हुई जगह है। दुनिया में और अधिक आनंद है। द्वार के माध्यम से देखने से कोई डर नहीं लगता, क्योंकि वहां शरण है। अपने घर के अंदर से तुम कड़कती बिजली, तूफान और बारिश को देख सकते हो। तुम आराम से तपते सूरज को देख सकते हो क्योंकि अंदर वातानुकूलन है। वह ठंडा और बहुत ही सुखद है। बाहर बहुत गर्मी है। तुम्हें बुरा नहीं लगता है क्योंकि वहां ऐसा कुछ भी नहीं है जो कि वास्तव में तुम्हें विचलित कर पाए, परेशान करे या अतृप्त करे।

संपादकीय

नए दौर में सहकारिता...

आज देश में 91 प्रतिशत गांव ऐसे हैं, जहां कोई न कोई सहकारी संस्था काम करती है। मोदी सरकार सहकारिता के इस विशाल ढांचे से हर परिवार को जोड़ने में जुटी है, ताकि परिवार की समृद्धि से देश समृद्ध बने। प्रधानमंत्री मोदी ने ''**सहकार से समृद्धि**'' का मूल मंत्र दिया है। इसी के तहत जुलाई 2021 में अलग सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद सरकार नई सहकारी नीति तैयार कर रही है। नई राष्ट्रीय सहकारी नीति का मसौदा तैयार करने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था। आशा है कि समिति द्वारा सौंपी रिपोर्ट पर विचार-विमर्श के बाद जुलाई तक नई सहकारी नीति घोषित हो जाएगी। सहकारिता को जन-जन तक पहुंचाने के क्रम में मोदी सरकार प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को 2,000 जन औषधि केंद्र

खोलने की अनुमति देने के साथ-साथ सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना शुरू कर रही है। पैक्स के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जन औषधि केंद्र खुलने से न केवल पैक्स से जुड़े लोगों की आय बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में रहने वालों को कम कीमत पर दवाइयां मिल पाएंगी। इनमें से 1,000 जन औषधि केंद्र इस साल अगस्त तक और 1,000 दिसंबर तक खोले जाएंगे। अभी तक 9,400 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। इनमें 1,800 प्रकार की दवाइयां और 285 अन्य चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं। ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में जन औषधि केंद्रों पर दवाइयां 50-90 प्रतिशत तक सस्ती हैं। भारत में खेती-किसानी की एक विडंबना यह रही कि यहां जितना जोर उत्पादन पर दिया गया, उतना उपज के भंडारण-विपणन-प्रसंस्करण पर नहीं। यही कारण है कि न केवल बड़े पैमाने पर अनाज की बबार्दी होती है, बल्कि किसानों को उनकी उपज की वाजिब कीमत भी नहीं मिल पाती है। इस कमी को दूर करने के लिए मोदी सरकार सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना शुरू कर रही है। एक लाख करोड़ रुपये की इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, फसलों के नुकसान को कम करने के साथ-साथ फसलों की खरीद-बिक्री का विकेंद्रित तंत्र स्थापित करना है। अब तक देश की अनाज भंडारण व्यवस्था चुनिंदा फसलों और क्षेत्रों तक ही सिमटी है। उदाहरण के लिए पंजाब में भारतीय खाद्य निगम द्वारा संचालित गोदामों की संख्या 611 है तो ओडिशा में इनकी संख्या 46 और बंगाल में मात्र 30 है। इसी तरह भंडारण व्यवस्था भी गेहूं-धान तक सिमटी है। नई भंडारण योजना के जरिये पांच वर्षों में सात करोड़ टन अतिरिक्त भंडारण क्षमता विकसित होगी। अभी देश की अन्न भंडारण क्षमता 14.5 करोड़ टन है। इस योजना के क्रियान्वयन के बाद कुल भंडारण क्षमता 21.5 करोड़ टन हो जाएगी। **-निरंतर**

परिदृश्य

बंगाल में दुश्मन लेकिन दिल्ली में दोस्त

2024 का लोकसभा चुनाव करीब है, सियासी समीकरण साधने का काम शुरू हो चुका है और 23 जून को विपक्ष भी एकजुटता वाली तस्वीर दिखाने वाला है। लेकिन क्या ये एकजुटता सही मायनों में जनता को स्वीकार हो जाएगी? क्या इस समझौते को पसंद किया जा सकता है जहां राज्यों में सियासी दुश्मन और मोदी के खिलाफ सब एक हो जाते हैं? इस समय पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस के रिश्तों को लेकर भी ऐसी अटकलें चल रही हैं। कहने को 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में कांग्रेस और टीएमसी दोनों हिस्सा ले रही हैं, लेकिन बंगाल में इस पंचायत चुनाव को लेकर हो रहे बवाल पर ये दोनों पार्टियां ही एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर रही हैं। रिश्ते इतने तल्ख चल रहे हैं कि सीएम ममता बनर्जी ने यहां तक कह दिया है कि बंगाल में बीजेपी की बी टीम कांग्रेस है। कुछ बयानों से समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर कैसे कांग्रेस और टीएमसी के रिश्ते बंगाल से दिल्ली जाते वक्त पूरी तरह बदल जाते हैं। शुक्रवार को ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस बंगाल में बीजेपी की बेस्ट फ्रेंड है। कांग्रेस तो दोनों लेफ्ट और बीजेपी की दोस्त है। आप चाहते हो कि सदन में आपका समर्थन करें, हम बीजेपी के खिलाफ ऐसा कर भी देंगे, लेकिन याद रखिए आप यहां बंगाल में अपना घर सीपीआईएम के साथ चलाते हो। ऐसे में बंगाल में हमसे मदद की कोई उम्मीद ना रखी जाए। अब ममता के इस बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। उनकी तरफ से कहा गया कि ममता बीजेपी के साथ खेलती हैं। जब भी विपक्षी एकता की बात होती है, वे हमेश इसे तोड़ने का काम करती हैं। ममता को समझना चाहिए कि वे कांग्रेस की दया की वजह से ही नेता बनी हुई हैं। आखिर कांग्रेस को उनकी मदद क्यों चाहिए होगी। वैसे इस पंचायत चुनाव में हुई हिंसा ने एक बात साफ कर दी है, कांग्रेस और टीएमसी के दिल मिले ही नहीं हैं। 2024 के लिए बस एक समझौता किया जा रहा है जहां पर बीजेपी को कैसे हराया जाए, इस पर जोर है। लेकिन ये सारी राजनीति दिल्ली के लिए है, बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी तो बड़े वाले प्रतिद्वंदी है। तभी तो जब मुर्शिदाबाद में नामांकन प्रक्रिया के दौरान दो लोगों की मौत हुई, कांग्रेस ने बीजेपी के साथ सेंट्रल फोर्स तैनात करने की मांग उठा दी है। यानी कि बंगाल में बीजेपी-कांग्रेस साथ मिलकर ममता बनर्जी को घेरने का काम करते हैं, लेकिन दिल्ली में वहीं कांग्रेस और वहीं ममता साथ आ जाते हैं। वैसे कुछ समय पहले सीएम ममता बनर्जी ने कांग्रेस को एक बड़ा ऑफर दिया था। कहा गया था कि कांग्रेस को भी समझौता करना पड़ेगा, उसे क्षेत्रीय पार्टियों को स्पेस देनी होगी। इसी कड़ी में ममता चाहती थीं कि कांग्रेस बंगाल में चुनाव ना लड़े। अब देश की सबसे पुरानी पार्टी ऐसी किसी भी मांग को नहीं मानना चाहती है, इसी वजह से सवाल उठ रहा है कि क्या 23 जून को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक सिर्फ एक फोटोऑप है या फिर सही मायनों में किसी रणनीति पर काम किया जाएगा। वैसे ये वाली स्थिति मेघालय चुनाव के दौरान भी देखने को मिल गई थी।

द्वितीय पुण्यस्मरण

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

चले गए अपने घर से, पर दिल से दूर नहीं। रूखसत हुए दुनिया से,
लेकिन हम से दूर नहीं हम जब उन्हें याद करते है,
हमें अपने साथ होने का अहसास दिला जाते हैं ।।

: श्रद्धावनत :

राकेश-समता गोदिका एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

धर्म की प्रभावना और समाज संगठन में समन्वय, एकता विकसित करने की भावना से इंदौर में चातुर्मास करने आया हूं: आचार्य विहर्ष सागर

राजेश जैन दद्दू, शाबाश इंडिया

इंदौर। दिल्ली में 12 वर्ष तक धर्म की प्रभावना करने के बाद पहली बार इंदौर पधारे गणाचार्य विरागसागरजी के शिष्य राष्ट्रसंत विहर्षसागरजी महाराज की रविवार को दिगंबर जैन समाज संसद एवं सोशल ग्रुप फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में पलासिया स्थित जावरा वालों के जैन मंदिर से शोभा यात्रा जुलूस के साथ समोसरण मंदिर तक भव्य मंगल अगवानी की गई। फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि शोभायात्रा इंडस्ट्री हाउस, जंजीर वाला चौराहा, इंद्रप्रस्थ टावर होते हुए कंचन बाग स्थित समवशरण मंदिर पहुंची । मार्ग में जगह जगह विभिन्न सामाजिक संगठनों और सोशल ग्रुप के मंचों से आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर आरती उतारी गई। शोभायात्रा में एरावत हाथी, घोड़े, बगगिया एवं बैंड बाजों के साथ महिलाएं मंगल कलश लिए एवं पुरुष वर्ग जयकारा लगाते हुए पैदल चल रहे थे। शोभायात्रा में सांसद शंकर ललवानी, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे पार्षद टीनू जैन, राजीव जैन मनोज काला पवन जैन संजीव जैन सजिवनी राजेश लारेल,राजु अलबेला एवं पुलक चेतना मंच के राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रदीप बड़जात्या कमल रावका भी पैदल चल रहे थे।

जयपुर रनर्स की 'फादर्स डे' पर रन

आयरन मैन शिवांगी ने शेयर किये फिटनेस टिप्स

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर रनर्स की डायरेक्टर और फिटनेस आइकॉन शिवांगी सारड़ा के जर्मनी से आयरन मैन पूरी करके आने पर आज जयपुर रनर्स ने फादर्स डे पर आयोजित रन में जोरदार स्वागत किया। जयपुर रनर्स क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा बागड़ा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण तिजारिया ने बताया कि जयपुर रनर्स की मंथली रन की सीरीज में फादर्स डे स्पेशल रन सेंट्रल पार्क से रखा गया जिसमे बड़ी संख्या में रनर्स ने अपनी रन पूरी की। रन के बाद शिवांगी सारड़ा का जयपुर रनर्स क्लब की अध्यक्ष डॉ साधना आर्या को फाउंडर मुकेश मिश्रा, रवि गोयनका, जोनल डायरेक्टर विष्णु टाँक, रेखा विजय, रीचिका गोयल, सुधा खंडेलवाल, नरेंद्र कुशवाह और फीमेल विंग अध्यक्ष किरन जीत के साथ सम्मान किया। राजस्थान की यंगएस्ट आयरन मैन बनी शिवांगी सारड़ा ने हाल ही जर्मनी में आयोजित आयरनमैन वर्ल्ड चैंपियनशिप में 3 8 किमी की स्विमिंग,180 2 किमी की साइकिलिंग और 42 किमी की दौड़ को 13 घण्टे 47 मिनिट में पूरा किया था। उन्होंने कहा की जयपुर रनर्स से जुड़े अमित चतुर्वेदी और बिजेन्द्रे सिंह की मेंटरशिप और ग्रुप के लगातार मोटिवेशन से उन्हें ये टाइटल जीतने में हेल्प मिली।

द्वितीय पुण्यस्मरण

स्व. श्री राजेन्द्र कै. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

चले गए अपने घर से,
पर दिल से दूर नहीं।
रूखसत हुए दुनिया से,
लेकिन हम से दूर नहीं
हम जब उन्हें याद करते है,
हमें अपने साथ होने का
अहसास दिला जाते हैं ।।

: श्रद्धावनत :

श्रीमती त्रिशला गोधा (धर्मपत्नी)
शैलेन्द्र - प्रियंका (पुत्र - पुत्रवधु),
सुहानी (डोली) - सपन जी जैन (पुत्री दामाद),
निशांत (पुत्र), दिविक (पौत्र), विया (पौत्री), समन, रानी
(दोहिता-दोहिती), श्रीमती शान्ती देवी गोधा (भाभी),
सतीशचन्द्र - नीलिमा, तेज प्रकाश - सुरेखा (भाई-भाभी),
भागचंद जी जैन अत्तार, दीनदयाल जी पाटनी (बहनोई),
चित्रा-जिनेन्द्र जी जैन (बहन - बहनोई),
धीरेन्द्र-विनी, नमन-लवी (भतीजा - भतीजा बहु)
देवांश (पौत्र) एवं
समस्त गोधा परिवार, लदाना वाले

दैनिक समाचार जगत परिवार
(प्रातः कालीन - सायंकालीन)

अर्पण सेवा संस्थान का भारतवर्ष में जल संरक्षण में प्रथम स्थान

भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत : सर्वश्रेष्ठ एनजीओ की श्रेणी में मिला पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, (डीओडबल्यूआर, आरडी एंड जीआर) के तत्वावधान में नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रथम विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, जल शक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और जल शक्ति एवं जनजातीय कार्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू भी उपस्थित रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में अर्पण सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. शुभकरण सिंह और कोषाध्यक्ष राजेश जैन को जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रयास करने के लिए सम्मानित किया गया। दोनों विजेताओं को यह पुरस्कार प्रदेश में अर्पण सेवा संस्थान को सर्वश्रेष्ठ एनजीओ की श्रेणी में मिला है। पुरस्कार स्वरूप प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग ने 11 श्रेणियों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय जल पुरस्कार के लिए कुल 41 विजेताओं की घोषणा की थी। प्रत्येक विजेता को एक प्रशस्ति पत्र और एक स्मृति चिह्न के साथ कुछ श्रेणियों में नकद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जल पुरस्कार सरकार के जल समृद्ध भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में चल रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के हिस्से के रूप में, विभिन्न व्यक्तियों और संगठनों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों और प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए दिए जाते हैं। चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के लिए कुल 868 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से सभी 11 श्रेणियों को शामिल करने वाले संयुक्त विजेताओं सहित 41 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करने के लिए चुना गया जिसमें सर्वश्रेष्ठ राज्य, एन.जी.ओ., कम्पनी, सी.एस.आर. आदि के द्वारा जल प्रबंधन पर उत्कर्ष कार्य किया गया। अर्पण सेवा संस्थान द्वारा 5 राज्यों में समुदाय के साथ मिलकर जल संरक्षण पर बेहतरीन कार्य करते हुये 20 मिलीयन क्युमीटर रिचार्ज पोटेंशिल बढ़ाया है, 1 लाख 56 हजार पंपिंग ऑवर बचाये गये व पेयजल पर नवाचार करते हुए सस्ती व सुलभ तकनीकें ग्रामीण समुदाय को उपलब्ध कराने में अहम योगदान दिया जिससे विशेषकर महिलाओं की आजीविका मेंवृद्धि व बच्चों को पढाई के लिये वक्त मिलने लगा।इससे 80 लाख कि.ग्रा. सीओटू उत्सर्जन रोका है।

अप टू डेट ग्रुप का गोसेवा कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप अप टू डेट द्वारा मानसरोवर स्थित टेउराम

गौशाला के अंदर गौ सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के पुण्यार्जक नरेंद्र- स्वाति जैन थे। ग्रुप अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन और सचिव विवेक कासलीवाल ने बताया कि हर माह के दूसरे रविवार को इस तरह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ग्रुप के संरक्षक डॉ राजीव जैन, उपाध्यक्ष विकास जैन, पी आर ओ जिनेंद्र जैन, भानुप्रिया जैन, नितिन जैन, पंकज -सीमा जैन, राकेश- मंजू जैन, मनोज गंगवाल, संजय -सोनू और विनीत जैन सहित अनेक ग्रुप सदस्य मौजूद रहे।

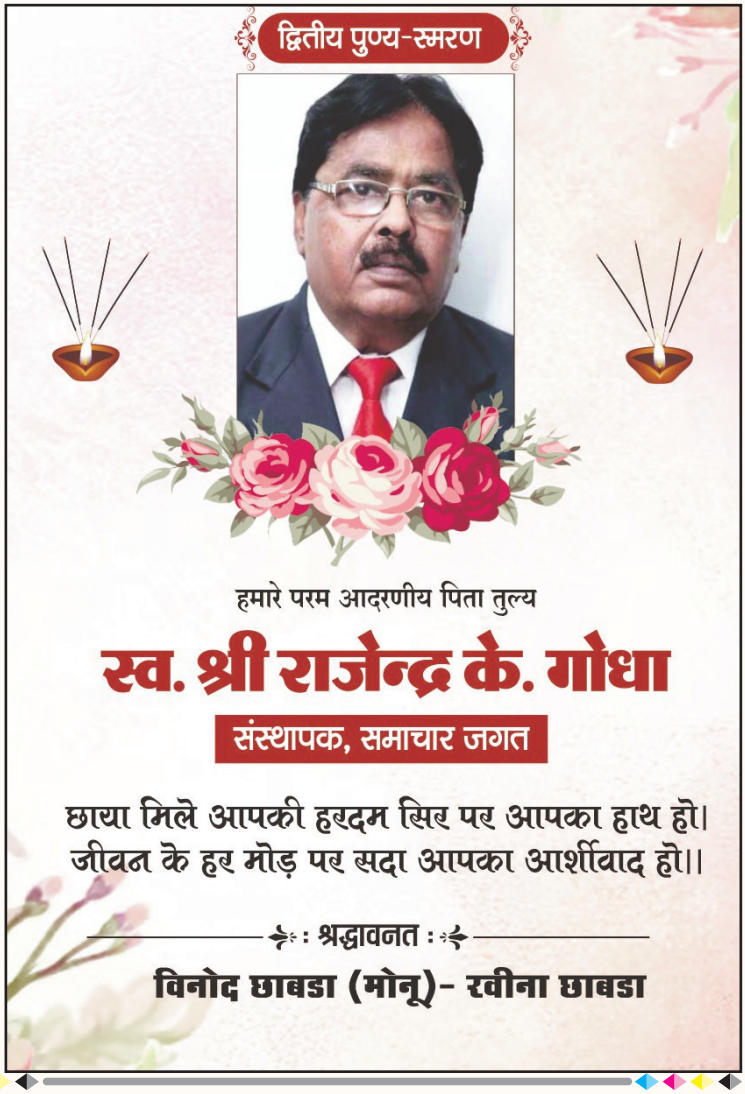

महावीर इंटरनेशनल के अंतराष्ट्रीय महाससचिव ने किया ब्यावर दौरा

बिजयनगर-ब्यावर जोन के सान्निध्य में ब्यावर के सभी केंद्रों से संवाद कार्यक्रम आयोजित

ब्यावर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल बिजयनगर ब्यावर जोन के सान्निध्य में सूरज भवन में केंद्र संवाद कार्यक्रम रखा गया। जिसमें ब्यावर शहर से सम्बंधित सभी महावीर इंटनेशनल केंद्र के पदाधिकारी सम्मिलित हुए। जोन के मीडिया प्रभारी पी. डी. मुकुल ने बताया कि जोन द्वारा आयोजित मीटिंग में महावीर इंटनेशनल ब्यावर मेंन, यूनिक, रॉयल, डायमण्ड, युवा, त्रिशला वीरा एवं राधिका वीरा के पदाधिकारियों एवं अपेक्स एवं जोन के पदाधिकारियों के मध्य संवाद कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के अंतराष्ट्रीय महासचिव वीर अशोक गोयल का सानिध्य प्राप्त हुआ। महाससचिव द्वारा अपेक्स की भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी पदाधिकारीयों से प्रतिदिन कोई न कोई सेवा कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने केंद्रों को अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने, अधिक से अधिक वीरा सदस्याओं को जोड़ने एवं आस पास के क्षेत्रों में नए केंद्र खोलकर अधिक से अधिक सदस्यों को महावीर इंटरनेशनल से जोड़ने का आव्हान किया। जोन चेयरमैन तेजमल बुरड़ ने सभी केंद्रों को महावीर इंटरनेशनल का मुख्य उद्देश्य सबको प्यार सबकी सेवा के साथ अधिक से अधिक सेवा कार्य करने का लक्ष्य रखने का कहा। उन्होंने सभी केन्द्रों को आश्वासन प्रदान किया कि जब भी आपको जोन की आवश्यकता हो जोन के पदाधिकारी सभी केन्द्रों हेतु उपलब्ध होंगे। मिटिंग का संचालन जोन सचिव डॉ तारेश जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर अंतराष्ट्रीय निदेशक पदम चंद जैन और अलका दुधेडीया, गवर्निंग काउंसिल सदस्य धनपत श्रीश्रीमाल और राजेश रांका, एवं जोन कोषाध्यक्ष महावीर बिनायकिया, जोन कॉर्डिनेटर रूपेश कोठारी, डॉ बी सी सोढी, दीपचंद कोठारी, प्रकाश मेहता, अशोक पालडेचा, सुरेन्द्र रांका, आमिल बंसल, बीना रांका, मंजू पंच, सुरेन्द्र कोठारी, अभिषेक नाहटा, निखिल माहेश्वरी, गौतमचंद संचेती, मोनिका सखलेचा, इंद्रा सोनी, प्रकाश कोठारी, विनय बोहरा, राजेश मुरारका आदि उपस्थित थे।

राजकीय आयुर्वेद औषधालय महादेवपुरा में अंतराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व योगाभ्यास

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। राजकीय आयुर्वेद औषधालय व आयुष हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर महादेवपुरा जयपुर में डॉ.रिताशा दुबे व कम्पाउंडर शान्तनु सोनी के मार्गदर्शन में शंकर लाल गुर्जर (योग प्रशिक्षक) द्वारा अंतराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व योगाभ्यास करवाया जा रहा है । इस अवसर पर कम्पाउंडर शांतनु सोनी व शंकर लाल गुर्जर (योग प्रशिक्षक) ने लोगों को बीमारियों से दूर रहने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक योगाभ्यास में भाग लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि हर दिन सुबह 6 से 7 बजे तक शंकर लाल गुर्जर (योग प्रशिक्षक) द्वारा योगाभ्यास करवाया जाता है।

नए दौर में सहकारिता...

@...Page 4

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

ए. आर.एल प्रजेंट्स पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

ए. आर.एल प्रजेंट्स पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप समाज श्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद पहाड़िया व भामाशाह अशोक सुशीला पाटनी आर.के मार्बल ग्रुप के सहयोग से अरिहन्त नाट्य संस्था द्वारा जयपुर में श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर, महेश नगर, श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, विवेक विहार, श्री दिगम्बर जैन मंदिर,चन्द्र प्रभजी, दुर्गापुरा, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट, मानसरोवर ,श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मंगल विहार,बीकन पब्लिक स्कूल, मुरलीपुरा व धूप छांव फाउन्डेशन वैशाली नगर में सफलता पूर्वक आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में फादर्स डे पर सभी सात सेंटर पर बच्चों के साथ साथ माता-पिता का सेशन रखा गया जिसमे माता पिता को अपने बच्चों को समझने के लिए गेम्स कराये गए जिसमे माता पिता को कोर्डिनेशन, लिसनिंग, बच्चों पर विश्वास,बच्चों के साथ अपना कीमती समय बिताने उन्हें समझने, बच्चों के साथ बच्चे बन कर उनकी समस्याओं को दूर करने के बारे में बताया गया। कार्यशाला में पेरेंट्स को बताया गया कि आज के समय मे ना तो पेरेंट्स के पास बच्चों के लिए टाइम है और ना ही बच्चों के पास अपने पेरेंट्स के लिए टाइम है ऐसे में आपस मे कम्युनिकेशन गैप आ रहा है अगर आज हमने अपने बच्चों को अपना टाइम नहीं दिया तो वो दिन दूर नहीं जब बच्चें माता-पिता को कहेंगे कि हमारे पास आपके लिए टाइम नहीं है। ये आज के समय की धीरे धीरे ज्वलन्त समस्या बनती जा रही है जिसे दूर करना बहुत

जरूरी है। ये सेशन अपने आप मे एक अनोखा सेशन साबित हुआ, जिसमें पेरेंट्स ने बच्चों की तरह सोचा और बच्चों ने पेरेंट्स की तरह। पेरेंट्स और बच्चों को एक दूसरे की प्रॉब्लम्स और एक दूसरे की अपेक्षाएं समझ आई। पेरेंट्स और बच्चे एक दूसरे के नजदीक आए, उनमें जो कम्युनिकेशन गैप है वो खत्म हुआ और वे एक दूसरे से भावनात्मक रूप से जुड़ें। कार्यशाला में सभी जगह माता-पिता व बच्चों को ब्लाइंड फोल्ड, पॉवर एक्सरसाइज,ड्राइंग सेशन,जम्प इन जम्प आउट,अराउंड डांस,मेडिटेशन जैसे गेम्स कराये गए। कार्यशाला में सभी अभिभावकों ने इन सभी गेम्स के माध्यम से बच्चों की प्रॉब्लम को समझा व सभी पेरेंट्स ने कहा कि आज हमें अहसास हुआ कि हम हमारे बच्चों को अब तक समझ ही नहीं पाए। पेरेंट्स सेशन अभिभावको के लिए एक यादगार सेशन रहा जिसमे कुछ माता-पिता भाव विभोर हो गए साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के सेशन की आज सबसे ज्यादा जरूरत पेरेंट्स को है अगर ये सेशन रेगुलर लगाए जाये तो बहुत से पेरेंट्स को अपने बच्चों को समझने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। कार्यशाला निर्देशक व आयोजक अजय जैन मोहनबाड़ी व लेखक निर्देशक तपन भट्ट ने बताया कि सभी स्थानों पर श्रीमती शीला डोडिया,श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, डॉ. वन्दना जैन, श्रीमती किरण बगड़ा श्रीमती चन्दा सेठी, श्रीमती रेणु पांड्या, श्रीमती सुनीता पांड्या, श्रीमती नीता जैन, श्रीमती भवंरी देवी, श्रीमती अनुप्रिया जैन, श्रीमती गरिमा जैन,श्रीमती अलका जैन, श्रीमती सरला जैन, श्रीमती रौनक जैन, श्रीमती शिल्पी जैन, श्रीमती मीरा अग्रवाल, श्रीमती श्वेता जैन, डॉ. एम. एल.जैन मणि, प्रकाश चाँदवाड, राजेन्द्र काला, नवीन जैन व समस्त जैन मंदिर कमेटी व समस्त अन्य संयोजिकाओ के प्रयासों से ये सेशन सफल हुआ।

उपाध्याय श्री उर्जयन्त सागर जी गुरु महाराज के सानिध्य में हुआ कल्याण मंदिर विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। कुमुद चंद्र एक समय राजकीय कार्य होने की वजह से चित्तौड़गढ़ आए थे। भगवान पार्श्वनाथ का जिनालय समक्ष आया, स्वयं दर्शनार्थ चले गए। मन्दिर में चमत्कारी शास्त्र का एक पृष्ठ पढा ,और दूसरा पृष्ठ उल्टा किया तो आकाशवाणी हो गई आगे आपके भाग्य में नहीं है। पहले साधु बन जाओ फिर पढ़ना। बस सन्यास का अंकुर प्रस्फुटित हो गया ,और वे प्रव्रज्या ग्रहण कर मुनि बन गए । सम्राट विक्रमादित्य मुनिराज कुमुद चंद्र मंत्र से अत्यंत प्रभावित थे । परंतु दरबारी लोगों के मन में ईर्ष्या के भाव बने हुए थे। सम्राट से बार-बार यह कहने से कि, दिगम्बर साधु में क्या बात है ,जो आप इतने प्रभावित हैं, हम उनकी महिमा जानना चाहते हैं। उज्जैन में महाकालेश्वर का प्रांगण था ,आचार्य भगवन्त की परीक्षा का आयोजन वहीं हुआ । सम्राट ने कुमुद चंद्र भगवन्त से कहा -अरे आपने शिव प्रतिमा को प्रणाम नहीं किया। पहले इसे प्रणाम करो । और वे शिव पिण्डिका की ओर बढ़ने लगे,तब एक ब्राह्मण ने व्यंग्य कसते हुए कहा क्षपणक जी करिए नमस्कार शिव जी को। हम भी आपकी शक्ति देखना चाहते हैं। आचार्य कुमुद चंद्र भगवन्त का मार्ग श्रद्धा ,भक्ति पूर्ण था। वे बेझिझक आगे बढ़कर श्री पार्श्वनाथ भगवान की स्तुति करने लगे, तभी कल्याण मंदिर स्तोत्र की रचना हो गई और सभी को शिव पिंडिका की जगह भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन हुए। सभी लोग दर्शन कर जय जयकार करने लगे। जैन धर्म की अपूर्व प्रभावना है, विज्ञान चमत्कार को नहीं मानता, परंतु मनुष्य बिना चमत्कार के नमस्कार नहीं करता। प्रभु वर्धमान स्वामी भी यही कहते हैं, चमत्कार को नमस्कार मत करो, लेकिन नमस्कार में चमत्कार पैदा कर दो। इस स्तोत्र में प्रथम शब्द कल्याण मंदिर होने से इस स्तोत्र का नाम कल्याण मंदिर स्तोत्र पड़ा इस काव्य गाथा में 44 काव्य हैं। जिसके प्रथम वलय 8 अर्घ्य हैं। द्वितीय वलय में 16 अर्घ्य हैं। तृतीय वलय में 20 अर्घ्य हैं। इस विधान को आचार्य भगवंत ने बीजाक्षरों से निर्मित किया है। जगह जगह इसके अनुष्ठान कराए जाते हैं। परम पूज्य उपाध्याय भगवन्त १०८ श्री उर्जयंत सागर जी गुरुदेव के पावन सानिध्य में आज पार्श्वनाथ जिनालय खवास जी का रास्ता में यह कल्याण मंदिर विधान सआनंद संपन्न हुआ । सभी श्रावको ने आज अभ्युदय को प्राप्त करने में हेतु ,इस अद्भुत विधान की पूजा अर्चना जो एकाग्रता पूर्वक की हुई स्तुति निधत्ति और निकाचित जैसे कर्मों को भी नष्ट कर देती है। ऐसी सातिशय से पूर्ण जिनेन्द्र भक्ति हमें भव भव में प्राप्त होती रहे।

आचार्य विवेक सागर जी महाराज ससंघ का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

संस्कारों के साथ संस्कृति को जीवित रखने का प्रयास करें

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन मुनि संघ सेवा समिति के तत्वाधान में दिगंबर जैन आचार्य श्री 108 विवेक सागर जी महाराज ससंघ 4 पिच्छी का रविवार को अजमेर चातुर्मास स्थल पंचायत छोटा नसिया में भव्य जुलूस के रूप मे मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश पर जैन मुनियों के जयकारों से गुंजायमान हो उठा आचार्य श्री के पहली बार अजमेर आगमन से पूरा जैन समाज भक्ति रस में सरोबोर हो उठा। नसियां के विशाल आदिनाथ निलय मे आचार्य श्री ने मंगल प्रवचन मे कहा मनुष्य प्रयाय का जीवन तो मिला है पर मनुष्य अपने जीवन मे संतुष्ट नही होता वह अपनी शिकायतों की लम्बी लिस्ट भगवान के सामने पढ़ता है,प्रभु से मांगना है तो यह मांगों मुझे ऐसा जीवन दो सदैव आपकी भक्ति और संतो की सेवा करता रहू बस इससे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। आगे आचार्य श्री ने कहा चातुर्मास के माध्यम से अधिक से अधिक धर्म ज्ञान लेने का पुरुषार्थ करे यही चातुर्मास का उद्देश्य होता है, आगे कहा अगर संस्कार प्राप्त नहीं कर पाये, अपनी आत्मा के हित का मार्ग प्रशस्त नही कर पाये तो संस्कृति को कभी जीवित नही बना पाओगे इसलिए संस्कारों के साथ संस्कृति को जीवित रखने का प्रयास करें।

डॉ अनामिका पापड़ीवाल द्वारा अमेरिकन विद्यार्थियों के लिए मेंटल हेल्थ इश्यूज एंड अवेयरनेस विषय पर व्याख्यान

शाबाश इंडिया

काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं साइकोथैरेपिस्ट डॉ अनामिका पापड़ीवाल द्वारा अमेरिकन विद्यार्थियों के लिए मेंटल हेल्थ इश्यूज एंड अवेयरनेस विषय पर व्याख्यान दिया गया। यह कार्यशाला अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। इसमें साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेंटर की डायरेक्टर डॉ अनामिका पापड़ीवाल ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं, उनके कारण, प्रभाव, निराकरण, साइकोथेरेपी और मेंटल इश्यूज से संबंधित संशय और सच्चाई के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मानसिक समस्याओं और बीमारियों के लिए जागरूक होने और प्रोफेशनल्स से कैसे और कब मदद लेनी चाहिए इसके बारे में विस्तृत रूप से बताया। कार्यक्रम के अंत में सवाल जवाब का सेशन भी रखा गया। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्न ''**हमें साइकोलॉजिस्ट के पास आते हुए डर लगता है कि कहीं वो हमारी पर्सनैलिटी ही नहीं बदल दें**'', का जवाब देते हुए डॉ पापड़ीवाल ने बताया कि साइकोथेरेपी व्यक्ति या पेशेंट के बैटरमेन्ट के लिए वर्क करती है,यह आपकी नेगेटिविटी को पॉजिटिविटी में कन्वर्ट करती है जिससे कि आपके सोचने का तरीका बदले और आप अपने लिए सही और गलत की पहचान स्वयं करके अपने जीवन में आने वाली समस्याओं को स्वयं सुलझा कर जीवन को बेहतर कर सकें। डॉ अनामिका पापड़ीवाल भारत के बाहर से जयपुर में अध्ययन करने आए अमेरिकन विद्यार्थियों के लिए मेंटल हेल्थ अवेयरनेस की यह कार्यशाला पिछले 5 सालों से लगातार ले रही है।

सुबह का नाश्ता करने के क्या फायदे हैं?

शाबाश इंडिया

सुबह का नाश्ता करने के बहुत फायदे है जिसे लोग अक्सर नजर अंदाज करते है जो लोग सुबह नाश्ता नहीं करते हैं, उनके शरीर को और अधिक नुकसान पहुंच सकता है। सुबह आपको भूख लगे या नहीं, आपको नाश्ता बिल्कुल भी नहीं छोड़ाना चाहिए। सुबह एक स्वस्थ नाश्ते करके आप पूरे दिन चुस्त रहते हैं।अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग सुबह नाश्ता नहीं करते हैं। कुछ लोग सुबह के समय खाना पसंद नहीं करते हैं तो कुछ लोग ऑफिस की देरी के चलते नाश्ता नहीं करते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि पूरे दिन सक्रिय रहने के लिए नाश्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है? हम आपको इस लेख में बता रहे हैं कि सुबह नाश्ता करना क्यों जरूरी है। भारतीय घरों में अगर सुबह के नाश्ते की बात करें तो मुख्य रूप से पराठे, पोहे या उपमा जैसी चीजों को शामिल किया जाता है। इसके साथ कुछ लोग दही, दूध, छाछ या जूस भी लेते हैं। लेकिन इसमें आप पराठों की जगह उपमा, नमकीन दलिया, घी लगी रोटी शामिल करेंगे तो ज्यादा फायदेमंद होगा। अगर आप बेकरी की बनी चीजें जैसे पाव, कप केक या ऐसी अन्य चीजें नाश्ते में खाने के आदि हैं, तो इनकी जगह होलग्रेन ब्रेड यानि आटे की ब्रेड आपके लिए फायदेमंद है। हरी सब्जियों को कच्चा या अधिक पकाकर खाने की आदत है, तो इसकी जगह उसका सूप बनाकर पिएं। यह अधिक लाभदायक होगा। आप चाहें तो सब्जियों को उबालकर या हल्का सा पकाकर खा सकते हैं। नाश्ते में रोटी या पराठे के साथ अचार और मक्खन खाने की आदत है, तो यह आपके लिए हानिकारक है। इसके बजाए हरी मिर्च को हल्का सा तलकर खा सकते हैं। सुबह के नाश्ते में नमकीन व मसालेदार मांस लेने के बजाए सफेद अंडे कहीं अधिक फायदेमंद होंगे। क्योंकि इसकी अपेक्षा अंडों में सोडियम की मात्रा कम होगी जो आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी। अगर नाश्ते में स्मूदी को शामिल करना आपको एक सेहतमंद तरीका लगता है, तो याद रखें इनमें प्रयुक्त शकर व स्वाद के लिए प्रयोग की गई चीजें इसके फायदों को कम कर देती हैं। बल्कि केला और दूध एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। नाश्ते में दही का विकल्प सेहतमंद जरूर है, बशर्ते वह बगैर मलाई वाले दूध से बना हो। इसे सादे रूप में खाना अधिक फायदेमंद होगा बजाए इसमें अतिरिक्त मात्रा में नमक या शकर डालकर खाने के। आप चाहे तो रात को थोड़े से बादाम या काले चने पानी मे भिगोकर रख दे और सुबह नाश्ते मे खाये यह भी आपके लिए बहुत फायदेमंद है। धन्यवाद जी।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

अगर नाश्ते में स्मूदी को शामिल करना आपको एक सेहतमंद तरीका लगता है, तो याद रखें इनमें प्रयुक्त शकर व स्वाद के लिए प्रयोग की गई चीजें इसके फायदों को कम कर देती हैं।

समग्र जैन समाज के मार्गदृष्टा कर्मठ पत्रकार स्व. मदनलाल जैन (बड़ियाल वाले)

मदनलाल बडियाल निवासी श्री गूजरमल पुत्र उदार।
गुणी विज्ञ धीमान यशस्वी छोड़ गये जिस दिन संसार।।
वह दिन था उन्नीस जून का सन उन्नीसी अस्सी जाने
स्मृति दिवस मनाते उनका देकर के पूरा सम्मान।।

पुण्य स्मृति दिवस (19 जून 2023) है उस महामना समाजसेवी पत्रकार स्व. मदनलाल जैन (बडियाल वाले) का जिसने स्व. गूजरमल जैन बैद परिवार, ग्राम बडियाल कला में 26 फरवरी 1916 को जन्म लिया था। जब महामना स्व. मदनलाल जैन को विधाता के क्रूर करों ने दिनांक 19 जून 1980 को जयपुर की धरती पर से छीन लिया तो पूरे जैन-अजैन समाज में शोक की लहर व्याप्त हो गई। समग्र जैन- अजैन समाज एवं जयपुर पत्रकार समाज हिल उठा, विश्वास नहीं हो रहा था कि जैन बंधु हमसे बिछुड़ जायेंगे, किन्तु ऐसा ही हुआ। वह वज्रघात था, जो चुभन पैदा करता है। दिवंगत पुण्यात्मा जैन की 43वीं पुण्यतिथि आज मनाई जा रही है ।

जयपुर में स्वतंत्रता आन्दोलन की अलख जगाने वालों में मदनलाल जैन पत्रकारिता क्षेत्र की अग्रिम पंक्ति में खड़े हुए थे। वे तत्कालीन क्रांतिकारी पत्रकार स्व. गुलाबचंद्र काला के 'जयभूमि' पत्र से सक्रियरूप से जुड़ पाये थे। उन्होंने पटवारी की नौकरी भी छोड़ दी थी। वे इन्कलाबी बन पाये थे। देश को आजाद कराने के लिए वे जेल गये...

स्वतंत्रता आन्दोलन में जेल यात्रा भोग अनूप बने स्वतंत्रता सेनानी वे बाहर आये निखरा रूप।।

स्व. जैन का मिशन 'आजादी थी। वे स्वाभिमानी थे। निर्भय होकर लेखनी का प्रयोग करते थे उनकी जीवनशैली में स्वाध्याय प्रवेश कर चुका था, इसलिए वे समाज में क्रांति को जन्म दे पार रहे थे। अध्ययन और अध्यापन के बल पर रचनात्मक क्रांति अपेक्षित थी। उन्होंने जीवनभर नैतिकता की पतवार थामे रखी, जो उनकी ऊर्जा बनी-

स्वाभिमान से जीना सीख, हितमित प्रियभाषी गुणवान।
अध्ययन-अध्यापन तत्पर, सदा निभायी अपनी आन

स्व. मदनलाल जैन समग्र जैन समाज में अग्रज बन पाये थे। उन्होंने समाज को दिशा देकर, सुधार के मार्ग पर चलाया था। सामूहिक कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति बनी रहती थी। सन 1975 में भगवान महावीर का 2500वाँ निर्वाण उत्सव वर्ष पर्यन्त (केन्द्र व राज्य सरकारों के सहयोग से मनाया गया था। उसमें जैन साहब ने समग्र जैन समाज को एक सूत्र में पिरोकर टीम स्पिरिट से कार्य निष्पादन कर दिखलाया था। जब महावीर स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित हुआ तो मुख्य अतिथि डॉ. करण सिंहजी ने स्व. मदनलाल जैन को स्वर्णपदक प्रदान कर सम्मानित किया था।

जब 1947 में देश आजाद होने के साथ ही विभाजन की त्रासदी झेल पाया तो पाकिस्तान (मुलतान) से आये मुलतानियों (रिफ्यूजी) को घीवालों के रास्ते में चूडीवालों के मोहल्ले में शरणार्थी रूप में बसाया था एवम् आवास, भोजन, दवा, भ्रमणसेवा की पूरी-पूरी व्यवस्था की थी। यह देश सेवा का जजबा था जो आजकल देखने को नहीं मिलता है। राजस्थान की पर्यटन मंत्री रही सुश्री पुष्पा जैन को राजनीति में आने को स्वर्गीय मदनलाल जैन ने ही प्रेरित कर मार्गदर्शित किया था। स्व. जैन साहब जनशिक्षण के प्रति सदैव समर्पित रहे। सर्वप्रथम जैन दर्शन विद्यालय की स्थापना चाकसू का चैक, घी वालों का रास्ता में आदरणीय पण्डित मिलापचन्द शास्त्री व पं. गुलाबचन्द शास्त्री के साथ मिलकर की थी। जब राजस्थान जैन सभा ने महावीर जयन्ती के अवसर पर विद्वानों के लेख युक्त शिक्षाप्रद स्मारिका प्रकाशन की योजना बनाई तो स्मारिका का व्यय वहन करने का प्रश्न खडा हुआ? तब स्व. श्री मदनलालजी जैन ने विज्ञापन के माध्यम से व्यय की पूर्ति का विचार व्यक्त करते हुए स्वयं ने ही विज्ञापन एकत्रित करने का दायित्व वहन किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से जैन साहब के विचारों का स्वागत किया। इस वर्ष स्मारिका का 52 वां अंक प्रकाशित हुआ है। देशभर में ख्याति प्राप्त जयपुर की स्वयंसेवी संस्था श्री वीर सेवक मण्डल के आप सक्रिय स्वयं सेवक रहे सुप्रसिद्ध दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र (बाडा) पदमपुरा में मन्दिर निर्माण की प्रारम्भिक अवस्था में सक्रिय सहयोगी रहे। आप टोडरमल स्मारक भवन से जुड़कर जैन दर्शन व साहित्य के प्रचार-प्रसार में भी सहयोग करते रहे। पण्डित टोडरमल स्मारक भवन के उद्घाटन के अवसर पर दिनांक 16 मार्च 1967 को जयपुर शहर में कफ़्यू लगा होने के कारण शोभायात्रा आदि निकालने पर प्रतिबंध था। लेकिन स्व. मदनलालजी जैन साहब ने तत्कालीन जिलाधीश से शोभायात्रा निकालने की अनुमति प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की तो समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई और समाज द्वारा बहुमान किया गया।

स्व. जैन ने समाज में फैली कुरुतियों का विरोध किया। सुधार के लिए घर से ही कदम उठाया। आपने अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह विशुद्ध जैन पद्धति से कराकर समग्र समाज को प्रेरित किया। कन्याओं की शिक्षा के लिए कन्या विद्यालयों की स्थापना में आपका सक्रिय सहयोग रहा।

शिक्षाविद् शतायु पुरूष स्व. तेजकरणजी इंडिया ने एक समारोह में स्व. मदनलाल जैन को भावांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि स्व. जैन स्वप्रेरित समाज सेवक थे जो प्यासे के पास जाकर स्वयं पानी पिलाते थे। परोपकार, जैनसुधार, शिक्षा प्रसार व समाज कल्याण में उनकी उत्कंठा बनी हुई थी। उनका व्यक्तित्व समूचे समाज के लिए इसीलिए अनुकरणीय बन गया था कि वे जो कहते थे, करके दिखलाते थे। उनकी कथनी व करनी में एकरूपता थी तथा अपनों के प्रति भारी दर्द था। वे दुखियों की पीड़ाओं को शमन करने में आन्दोलनरत हो जाया करते थे। वस्तुतः वे सार्वजनिक जीवन में अपनी स्वच्छ छवि, सक्रिय पुरुषार्थ व संवेदनशीलता के कारण चमक पाये थे तथा राजनीतिक क्षेत्र में भी प्रवेश कर पाये थे, मैत्रीय व्यवहार निभाने में इतने अग्रज थे कि उन्होंने राजस्थान विधान सभा चुनावों में अपने विपक्षी सतीशचन्द अग्रवाल के पक्ष में अपना नाम वापस ले लिया। यह मित्रता की अद्भुत मिसाल थी।

मैं कहना चाहूँगा कि ऐसे पत्रकार दुर्लभ है जो अपनी लेखनी से अधिक अपनी जिन्दगी से समाज को दिशा देना चाहते हैं। महात्मा गांधी का आचरण ही पुस्तक था। वस्तुतः स्व. मदनलाल जैन 'सादा जीवन उच्च विचार अपना पाये मस्तक पर सदैव गांधी टोपी धारण कर पाये। मोटा पहना और सादा खाया। ईमानदारी, मितव्ययता, सादगी, सहजता, सामाजिकता, व्यवहार कुशलता, राष्ट्रभाषा प्रेम जैसे गुण जीवन में धारण कर पाये जो समूचे जैन समाज के लिए मिसाल बन गये।

पुण्य स्मरण का मतलब पुण्यकार्य आरम्भ करके दिवंगत आत्मा की स्मृति ताजा बनाये रखनी है। यह पारिवारिक व कौटुम्बिक दायित्व है, जिसे पूर्ण किया जा रहा है। जब स्व. जैन समाज सेवा का दीपक जलाते रहे तो हम उस दीपक की रोशनी बरकरार रख पाये यही भगवान महावीर का अहिंसा मार्ग है।

एम. एल. धौकरिया
समाचार विचार संस्थान, जयपुर

स्व. मदनलाल जैन समग्र जैन समाज में अग्रज बन पाये थे। उन्होंने समाज को दिशा देकर, सुधार के मार्ग पर चलाया था। सामूहिक कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति बनी रहती थी। सन 1975 में भगवान महावीर का 2500वाँ निर्वाण उत्सव वर्ष पर्यन्त (केन्द्र व राज्य सरकारों के सहयोग से मनाया गया था। उसमें जैन साहब ने समग्र जैन समाज को एक सूत्र में पिरोकर टीम स्पिरिट से कार्य निष्पादन कर दिखलाया था। जब महावीर स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित हुआ तो मुख्य अतिथि डॉ. करण सिंहजी ने स्व. मदनलाल जैन को स्वर्णपदक प्रदान कर सम्मानित किया था।